युद्ध का तात्कालिक कारण :

⇒ **सेराजोवा हत्या काण्ड**

→ सेराजोवा बोस्निया की राजधानी थी।

→ 28 June 1914 को आस्ट्रिया का युवराज फ्रांसीस फर्डिनेण्ड यहाँ अपने पत्नी के साथ आने वाला था।

* फर्डिनेण्ड कौन था ? → फ्रांसीस फर्डिनेण्ड आस्ट्रिया की गद्दी का उत्तराधिकारी था। जोसेफ के बाद वही आस्ट्रिया का सम्राट बनने वाला था।

* फिर हत्या क्यों → सर्ब लोगों की दृष्टि में फर्डिनेण्ड सर्ब आन्दोलन का सबसे बड़ा शत्रु था।

मुद्दा क्या है :-

⇒ नेपोलियन के पतन के बाद बाल्कन प्रायद्वीप में राजनैतिक बेचैनी शुरू हो गया।

⇒ 20वीं सदी के आते-आते इतना भीषण रूप धारण कर लिया कि बाल्कन प्रायद्वीप यूरोप का ज्वालामुखी कहा जाने लगा।

⇒ यूरोप के शक्ति अजमाने का यह क्षेत्र अखाड़ा बन गया।

⇒ 1908 में आस्ट्रिया ने बोस्निया और हर्जेगोविना के प्रदेश पर अपना अधिकार जमा लिया था। लेकिन इन प्रदेश में अधिकांश निवासी सर्ब जाति के थे वे आस्ट्रिया के अधिन नहीं रहना चाहते थे। वे सार्बिया के साथ रहना चाहते थे।

⇒ सार्बिया के शासक बोस्निया और हर्जेगोविना को अपना एल्सस-लोरेन समझता था।

⇒ षड्यंत्रकारी संगठन → रूस और सार्बिया का प्रोत्साहन पाकर सर्ब देशभक्तों ने उग्र उपायों का अवलंबन करने का निश्चय किया।

⇒ बोस्निया और हर्जेगोविना में गुप्तक्रांतिकारी संगठन का गठन किया।

⇒ इनमें से एक समिति → 'काला हाथ' था इस संस्था

~~मौत~~ 'मौत समिति' से मिलकर एक सर्बियन राष्ट्र अथवा मौत समिति का नाम दिया।

↳ उद्देश्य → सम्पूर्ण बोस्निया और हर्जेगोबिना में आस्ट्रिया के शासन को असंभव बना देना।

Note :- सार्बिया की सरकार के अनेक कर्मचारी 'काला हाथ समिति' के सदस्य थे। सार्बिया की सरकार धन-दौलत तथा अस्त्र-शस्त्रों से भी सहायता करती थी।

बेलग्रेड इस आन्दोलन का प्रधान केन्द्र था।

युवराज की हत्या

⇒ काला हाथ समिति ने बोस्निया के गवर्नर पोटियोरके की हत्या की योजना बनाई। किन्तु इसी समय उन्हे यह पता चला कि आस्ट्रिया का युवराज फर्डिनेण्ड सेरोजोवा आने वाले है।

⇒ तो उन लोगों ने युवराज की हत्या का षड़यंत्र रचा।

Note :- युवराज का आने का मुख्य उद्देश्य था बोस्निया में स्थित 15वीं & 16वीं सेना का वार्षिक निरीक्षण करना।

⇒ षडयंत्र के सारे कार्य पूर्ण हो चुका था षडयंत्रकारी समय से पहले ही लुक-छिपकर बेलग्रेड़ से सेराजोवा पहुँच चुके थे।

⇒ ~~10 बजे युवराज~~ 28 June 1914 को 10 बजे युवराज सेराजोवा पहूँचा। ~~उसके~~ उसके बाद वह नगरपालिका भवन के लिए अपनी पत्नी के साथ रवाना हुआ। बिच पुलिया पर षयंत्रकारियों ने उस पर बम फेंका पर वह बच गया।

⇒ ~~जब~~ युवराज लौट रहा था तो षडयंत्रकारी गेवरीलो प्रिन्सिप ने दो गोली चलाई जिससे युवराज और इसकी पत्नी की मौत हो गई।

⇒ इस घटना ने यूरोप को युद्ध की ज्वाला में धकेल दिया

आस्ट्रिया में हत्या की प्रतिक्रिया :-

⇒ युवराज की हत्या का समाचार आस्ट्रिया पहूँचते ही क्रोध की लहर वहाँ पर उत्पन्न हो गई।

⇒ सर्बिया को दोषी मानते हुए आस्ट्रिया के विदेश मंत्री बर्चटोल ने सर्बिया के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने का निश्चय किया।

⇒ डॉ. वीजनर को युवराज की हत्या की जाँच का कार्य सौंपा गया उन्होंने रिपोर्ट में सर्बिया ~~सरकार~~ सरकार का शामिल होना नितान्त असम्भाव्य बताया।

⇒ आस्ट्रिया के प्रधानसेनापति कोनराड भी इस हत्या के लिए सर्बिया को ही दोषी माना।

आस्ट्रिया द्वारा सर्बिया को अल्टीमेटम :

⇒ आस्ट्रिया जर्मनी सम्राट के यहाँ एक पत्र लिखकर अपनी नीति को स्पष्ट किया तथा सहयोग के लिए अनुरोध किया।

⇒ 5 July 1914 को आस्ट्रिया की सरकार को सूचित किया कि सर्बिया के संबंध में वह जो भी निर्णय करेगा, उसका जर्मनी पूर्ण रूप से समर्थन करेगा।

⇒ 23 July 1914 को आस्ट्रिया की सरकार ने सर्बिया को अल्टीमेटम दिया, जिसमें उसकी शर्तों को 48 घण्टों में मानने को कहा गया।

⇒ सर्बिया ने अल्टीमेटम की लगभग सभी बातें स्वीकार कर लिया लेकिन दो बातों को मानने से इन्कार कर दिया—

* आस्ट्रिया के अधिकारियों द्वारा सर्बिया में जाँच पड़ताल में भाग लेने की माँग

सर्बिया ने शर्तों के संबंध में हेग के अन्तर्राष्ट्रीय न्यायलय द्वारा जो भी निर्णय हो उसे स्वीकार करने को तैयार हो गया

⇒ यूरोप के सभी देशों ने सर्बिया के उत्तर को संतोषजनक माना पर आस्ट्रिया ने उसे असंतोषजनक मानकर युद्ध करने का निश्चय किया।

⇒ 28 July 1914 को सर्बिया के विरुद्ध आस्ट्रिया ने युद्ध की घोषणा कर दिया।

⇒ सर्बिया ने स्वयं भी युद्ध की स्वागत किया और अपना उत्तर भेजने से पहले ही सार्वजनिक लामबंदी की आज्ञा दे दी।

क्या युद्ध रोकने का प्रयत्न नहीं किया गया ?

=> युद्ध रोकने का प्रयत्न इंग्लैण्ड के विदेश मंत्री एडवर्ड ग्रे ने किया पर वह असफल रहा ।

=> एडवर्ड ग्रे यूरोप के शांति को भंग बहोने नहीं देना चाहता था उन्होने सबसे पहले रूस और आस्ट्रिया के बीच सीधी वार्ता द्वारा समझौता कराने का सुझाव दिया किन्तु फ्रांस के राष्ट्रपति ने इसका विरोध किया ।

=> 26 July को जर्मनी के सुझाव पर आस्ट्रिया के राजदूत और रूस के प्रधान मंत्री के बीच सीधी वार्ता हुई किन्तु आस्ट्रिया अपने मन्गों में संशोधन के लिए तैयार नहीं था ।

=> उसी दिन इंग्लैण्ड ने लंदन में फ्रांस, जर्मनी, इटली को एक सम्मेलन में भाग लेने और आस्ट्रिया तथा सर्बिया के बीच युद्ध रोकने के उपाय पर विचार करने को कहा पर जर्मनी ने इसे अस्वीकार कर दिया ।

=> 27 July को इंग्लैण्ड ने जर्मनी से पुनः अनुरोध किया कि आस्ट्रिया पर दबाव डालकर सर्बिया के उत्तर को स्वीकार करने को कहे पर जर्मनी एक न सुना ।

युद्ध की शुरुआत : 28 July 1914 (4 वर्ष, 3 माह 11 दिन)

=> रूसी विदेश मंत्री साजानोव ने प्रारम्भ में ही सर्बिया को समर्थन करने का निश्चय किया था । उन्होने जर्मनी और आस्ट्रिया के राजदूतों को कह दिया था कि यदि आस्ट्रिया ने सर्बिया पर आक्रमण किया तो उसे रूस का भी सामना करना पडेगा ।

=> फ्रांस भी रूस के नीति को पूर्ण समर्थन दे चुका था ।

=> अतः 28 July 1914 को आस्ट्रिया ने सार्बिया पर आक्रमण कर दिया इसी के साथ प्रथम विश्व युद्ध शुरु हो गया ।

=> अगले दिन यह सूचना रूस को मिली कि आस्ट्रिया ने बेलग्रड पर बम वर्षा की है तो रूस के युद्ध मंत्री ने जार को पूर्ण सैन्य सज्जा की आज्ञा देने के लिए तैयार किए

=> अतः रूस के देखा-देखी जर्मनी भी युद्ध के लिए तैयार हो गया ।

⇒ 31 July 1914 को जर्मनी ने रूस को 12 घण्टे की अंतिम चेतावनी दी, जिसमें उसने जर्मनी और आस्ट्रिया के विरुद्ध समस्त सैनिक तैयारियाँ समाप्त करने के लिए कहा रूस ने कोई उत्तर नहीं दिया।

⇒ अतः 1 Aug 1914 को जर्मनी ने रूस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी।

3 Aug 1914 को जर्मनी ने फ्रांस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

इसी दिन इटली ने अपनी तटस्थता की नीति की घोषणा कर दिया।

मुख्य घटनाएँ :

इंग्लैण्ड का युद्ध में प्रवेश :

⇒ फ्रांस, रूस के साथ किये गए समझौते के अनुसार इंग्लैण्ड, फ्रांस या रूस को साथ देने के लिए बाध्य नहीं था पर सहानभूति फ्रांस के साथ थी।

Ex– 1905 - 12 तक प्रत्येक संकट के समय इंग्लैण्ड ने फ्रांस का समर्थन किया था।

बीच - बीच में दोनों देशों के बीच सैनिक अधिकारियों के द्वारा गुप्त परामर्श होता रहता था।

⇒ 31 July 1914 को फ्रांस के राष्ट्रपति ने अपना एक विशेष राजदूत सम्राट जॉर्ज पंचम के पास भेजा और उससे सहायता मांगी पर ब्रिटेन अब तक किसी प्रकार का आश्वासन नहीं दिया।

⇒ ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने 31 July को फ्रांस और जर्मनी की सरकार के पास एक पत्र भेजा जिसमें दोनों देशों से पूछा कि क्या वे बेल्जियम के तटस्थता को बनाए रखने का वचन देने को तैयार हैं। फ्रांस ने तुरन्त आश्वासन दे दिया परन्तु जर्मनी ने नहीं।

⇒ 1 Aug 1914 को जर्मनी और फ्रांस के बीच युद्ध अवश्यम्भावी हो गई।

⇒ 2 Aug को जर्मनी ने लक्जेमबर्ग की तटस्थ भूमि पर अधिकार कर लिया और बेल्जियम से 12 घण्टे के अन्दर अपने राज्यों में से जर्मन सेनाओं को फ्रांस के विरुद्ध आक्रमण करने के लिए मार्ग देने की मांग की।

⇒ बेल्जियम ने इसे अस्वीकार कर दिया और इंग्लैण्ड से सहायता मांगी

⇒ इंग्लैण्ड ने जर्मनी को बेल्जियम से की गई मांग को वापस लेने को कहा पर जर्मनी ने कुछ जवाब नहीं दिया।

⇒ 4 Aug 1914 को इंग्लैण्ड ने जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

विश्वव्यापी युद्ध का आरम्भ :-

⇒ 4 Aug 1914 को ब्रिटेन द्वारा जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा करते ही यूरोप की सभी बड़ी शक्तियों के बीच युद्ध शुरू हो गया

⇒ 7 Aug को मान्टीनीग्रो ने सर्बिया की ओर से युद्ध में शामिल होगया

⇒ 23 Aug को जापान जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया

⇒ 29 Oct 1914 को तुर्की ने बिना युद्ध की घोषणा किए रूस के काला सागर के बन्दरगाहों पर बमवर्षा की जिसके चलते 3 Nov 1914 को रूस तुर्की के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

Note तुर्की के जर्मनी की ओर से युद्ध में शामिल होने से मित्र राष्ट्रों की चिन्ता बढ़ गई—

i) स्ट्रेट्स के मार्ग से रूस के साथ संपर्क साधने में कठिनाई

ii) सुल्तान के समर्थन में ब्रिटेन तथा फ्रांस के उपनिवेशों में मुसलमान विद्रोह न कर दे।

⇒ मित्र राष्ट्रों के गुट में इटली का शामिल होना :-

= 3 Aug को इटली अपने को तटस्थता की घोषणा कर दिया। अब दोनों खेमा उसे अपने-अपने पक्ष में करने के लिए प्रयत्न कर रहे थे।

⇒ 26 Apr 1915 को लन्दन में मित्र राष्ट्रों की एक गुप्त संधि हुई इसके द्वारा इटली मित्र राष्ट्रों में शामिल हो गया।

⇒ 23 मई 1915 को इटली ने आस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

⇒ 14 oct 1915 को बुल्गेरिया धुरी राष्ट्रों के ओर से सर्बिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

⇒ Feb 1916 में मित्र राष्ट्रों के ओर से पुर्तगाल युद्ध की घोषणा कर दिया।

⇒ 27 Aug 1916 को रुमानिया ने आस्ट्रिया के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

अमेरिका द्वारा युद्ध में शामिल होना :-

⇒ 4 Aug 1914 को अमेरिका के राष्ट्रपति विल्सन ने तटस्थता की घोषणा किया किन्तु अमेरिका के अधिकांश नागरिकों की सहानभूति मित्र राष्ट्रों की ओर थी।

⇒ युद्ध होते ही मित्र राष्ट्रों ने अमेरिका से अधिक से अधिक अनाज एंव युद्ध सामग्री खरीदना आरम्भ किया।

⇒ अमेरिकी कम्पनियाँ मित्र राष्ट्रों का ऋण उपलब्ध करानेलगे। और उनकी इच्छा थी कि युद्ध मित्र राष्ट्रों के पक्ष में विजय हो

⇒ 1917 में दो महत्वपूर्ण घटनाएँ घटी

(i) रुस में बोल्शेविक क्रांति के कारण जर्मनी से संधि कर युद्ध से अपने आपको अलग कर लिया था इससे मित्र राष्ट्रों की स्थिति कमजोर बन गई।

(ii) अमेरिका का लुसिटानिया नामक यात्री जहाज जर्मन लोगो द्वारा डुबाने से अमेरिका में जर्मनी के विरुद्ध जनमत उबल पड़ा क्योंकि इस जहाज में लगभग 1200 यात्री थे।

⇒ जर्मनी 1916 में फ्रांस के एक यात्री जहाज ससेक्स को डुबा दिया था जिससे कई अमेरिकी घायल हो गया।

⇒ 31 Jan 1917 को जर्मनी की सरकार ने अमेरिका को सूचित किया कि 1 Jan 1917 से वर्जित क्षेत्र में प्रवेश करनेवाली सभी जहाजों के विरुद्ध जर्मन पनडुब्बियों द्वारा आक्रमण किया जाएगा।

⇒ मार्च 1917 में जर्मनी ने 5 अमेरिकी व्यापारी जहाजों को डुबा दिया

⇒ 6 अप्रैल 1917 को U.S.A. जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दिया।

युद्ध का अन्त :-

=> केन्द्रीय शक्तियों (Central powers) में सर्वप्रथम बुल्गेरिया ने 29 Sept 1918 को हथियार डाला।

=> उसके तीन माह बाद तुर्की ने आत्मसमर्पण किया।

=> 3 Nov 1918 को आस्ट्रिया युद्ध का मैदान छोड़ दिया।

=> जर्मनी अब अकेला बच गया वह युद्ध विराम की को शिश किया और 11 Nove 1918 को हथियार डाल दिया।

=> इस प्रकार मित्र राष्ट्रों का विजय हुआ तथा युद्ध समाप्त हो गया।

रोचक तथ्य → 1st W.W → 4 वर्ष 3 माह 11 दिन तक चला
30 राज्यों के लगभग 6 करोड़ 50 लाख सैनिक भाग लिए
मरनेवाले सैनिकों की संख्या 80 लाख
घायल - 2 करोड़।
खर्च → 40,000 मिलियन पौंड़